नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी शिक्षण-अधिगम केंद्र (टी.एल.सी.एच.एस.) के माध्यम से हिंदी संवर्धन के लिए हुई नई पहल महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का आयोजन

वर्धा, 6 फरवरी 2017: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र में स्थापित हिंदी शिक्षण-अधिगम केंद्र (टी.एल.सी.एच.एस.) अपने सफल एवं सार्थक प्रयासों द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार में न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी हिंदी को व्यापक बनाने की दिशा में अभिनव एवं भविष्योन्मुखी कदम बढ़ा रहा है| हिंदी शिक्षण-अधिगम केंद्र (टी.एल.सी.एच.एस.) की स्थापना महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में सन 2015 को 'पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षा अभियान', मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत की गयी थी। उसी समय से टी.एल.सी.एच.एस. लगातार दस से भी अधिक सेमीनार/सम्मेलनों तथा कार्यशालाओं का सफल आयोजन कर हिंदी भाषा को व्यापक बनाने का कार्य कर रहा है | यह सभी कार्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित हैं | इसको सुचारू रूप से चलाने हेतु मंत्रालय की डॉ.पूर्णिमा त्रिपाठी (सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार), प्रो. गिरीश्वर मिश्र (कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ,वर्धा), प्रो.अरबिंद कुमार झा (निदेशक, टी.एल.सी.एच.एस.), प्रो.के.के.सिंह (संयुक्त निदेशक, टी.एल.सी.एच.एस.), डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर तथा डॉ.अशोक नाथ त्रिपाठी (एसोसिएट डायरेक्टर) तथा विभिन्न कार्यक्रमों के समन्वयकों के सहयोग से सेमीनार/सम्मेलन तथा कार्यशालाएं की गईं हैं |

दिनांक 04 फरवरी 2017 को शिक्षा विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा , द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'एस.पी.एस.एस. सॉफ्टवेयर के माध्यम से 'आंकड़ों का विश्लेषण' शीर्षक के अंतर्गत आयोजन किया गया जिसको पढ़ने-पढ़ाने का कार्य प्रो.एस.के.त्यागी (डीन ऑफ़ एजुकेशन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इंदौर) तथा डॉ.पी.मोहनराजू (दिल्ली विश्वविद्यालय) ने किया | इस कार्यशाला के निरिक्षण में डॉ. पूर्णिमा त्रिपाठी भी शामिल हुईं और उसके उपरान्त टी.एल.सी.एच.एस. के लिए बन रहे निर्माणाधीन भवन का भी मुआयना किया | अपने अति व्यस्त कार्यक्रमों के बीच इन्होने 'लीला' (लेबोरटरी इन इन्फोर्मेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स) का अवलोकन किया | 'एस.पी.एस.एस. सॉफ्टवेयर के प्रयोग द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण' पर चल रहे कार्यशाला के सहभागियों के साथ डॉ. पूर्णिमा ने बात-चीत की तथा उन्हें इस कार्यशाला के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं|

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के माननीय कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विषयों पर जिसमें टी.एल.सी.एच.एस. द्वारा आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान', कार्यशाला - मूडल सॉफ्टवेयर के माध्यम से 'ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकास और शिक्षण', राष्ट्रीय संगोष्ठी- 'कक्षा व पाठ्य पुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति', 'हिंदी और भारतीय भाषाओं के लिए राष्ट्रीय भाषा प्रसंस्करण का आधुनिक परिप्रेक्ष्य', 'हिंदी में भाषा प्रौद्योगिकी के संवर्धन की चुनौतियाँ', 'पूर्वोतर भारत की भाषा,साहित्य एवं संस्कृति के बदलते परिदृश्य तथा 'मास कम्युनिकेशन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठीयों की उपादेयता पर चर्चा की | डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने समीक्षा बैठक में टी.एल.सी.एच.एस. द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया | डॉ. शिरीष पाल सिंह ने राष्ट्रीय संगोष्ठी 'कक्षा व पाठ्य-पुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' तथा राष्ट्रीय कार्यशाला 'एस.पी.एस.एस. सॉफ्टवेयर के प्रयोग द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण' का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कर शोध में उसके प्रयोग एवं विश्लेषण की महत्ता पर प्रकाश डाला| माननीय कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने टी.एल.सी.एच.एस. के भविष्य के लक्ष्यों व उसकी दृष्टि तथा आगामी गतिविधियों को उपस्थित सदस्यों तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सलाहकार डॉ. पूर्णिमा त्रिपाठी के मध्य साझा किया । माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने शिक्षण विधियों, पाठ्यक्रम विकास, समाज और शिक्षा के बदलते परिदृश्य में शिक्षण अधिगम सामग्री और अभिनव मूल्यांकनके स्वरूप व उपकरणों के विकास के क्षेत्र में टी.एल.सी.एच.एस. के द्वारा नवाचारों के विशिष्ट नियामकों पर प्रकाश डाला ।

प्रो.अरबिंद कुमार झा (निदेशक, टी.एल.सी.एच.एस.) ने टी.एल.सी.एच.एस. द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ-साथ पाठ्यक्रम विकास तथा टी.एल.सी.एच.एस., महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा प्रकाशित हो रही पुस्तकों के बारे में जानकारी दी। प्रो. झा ने एम.एच.आर.डी. की सलाहकार और टी.एल.सी.एच.एस. के सदस्यों को इसके उद्देश्यों और भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने की रणनीति से अवगत कराया |

डॉ. पूर्णिमा त्रिपाठी ने टी.एल.सी.एच.एस. टीम (महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) के प्रयासों की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संचालित 'पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षा अभियान' के अंतर्गत हिंदी भाषा के प्रोत्साहन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किए गए समस्त कार्यक्रमों के व्यय तथा सहयोग के लिए मंत्रालय सदैव तत्पर रहेगा |